बस में चुभा मेरी गांड में लण्ड

“पोर्नर गर्ल Xxx चुदाई कहानी में मैं लोकल बस में भीड़ में खड़ी थी. मेरी गांड में किसी ने अपना लंड चुभा दिया. मुझे मजा आ गया, मैंने उसे मुस्कुरा के देखा. …”

Story By: रेहाना खान (reahana)
Posted: Thursday, September 12th, 2024
Categories: कोई मिल गया
Online version: बस में चुभा मेरी गांड में लण्ड

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बस में चुभा मेरी गांड में लण्ड

पोर्नर गर्ल Xxx चुदाई कहानी में मैं लोकल बस में भीड़ में खड़ी थी. मेरी गांड में किसी ने अपना लंड चुभा दिया. मुझे मजा आ गया, मैंने उसे मुस्कुरा के देखा.

यह कहानी सुनें.

Porner Girl Xxx Chudai

मेरा घर से मेरा ऑफिस थोड़ा दूर पर है इसलिए मुझे बस से आना जाना पड़ता है।
बस के अलावा टैक्सी का साधन है पर वह बड़ी मंहगी पड़ती है और मैं रोज़ रोज़ टैक्सी कर भी नहीं सकती।
मुझे टाइम पर बस और आसानी से मिल जाती है। इसलिए मैं अपने ऑफिस बस से ही आती जाती हूँ।

रास्ते में कुछ अच्छे लोग मिल जाते हैं कुछ बहुत अच्छे और कुछ बुरे लोग भी मिल जाते हैं।
उनमें भी कुछ कम बुरे होते हैं और कुछ ज्यादा!
बुरे लोगों से पाला पड़ता है तो ख़राब लगता है।

वैसे मैं छोटी छोटी बातें टाल जाती हूँ।
मैं ज्यादा बहस बाजी तो करती नहीं।

जब मुझे हमेशा बस से ही आना जाना है तो मैं रोज़ रोज़ सबसे पंगा क्यों लूं?
मैं अपनी सहूलियत से काम ले लेती हूँ और बच के निकल जाती हूँ।
ज्यादा किसी के मुंह नहीं लगती।

यह पोर्नर गर्ल Xxx चुदाई कहानी एक बस में शुरू हुई थी.

एक दिन जब मैं बस में घुसी तो देखा कि बहुत भीड़ है.
कोशिश करने के बावजूद मुझे बैठने की जगह नहीं मिली, मुझे खड़े खड़े ही यात्रा करनी पड़ी।

मैं बीच में रॉड पकड़ कर खड़ी हो गयी।
मेरे आगे कुछ लोग थे और पीछे कुछ लोग थे।

बस अपनी रफ़्तार से चली जा रही थी।

मैं उस समय जींस और टॉप में थी।
टॉप डीप नेक और स्लीवलेस का था। आगे सिर्फ दो बटन ही थे।

अचानक जब ड्राइवर ने ब्रेक मारा तो मुझे लगा कि मेरी गांड में कुछ चुभ रहा है।
मैंने पीछे मुड़ कर देखा तो एक लड़का स्मार्ट और हैंडसम गोरा गोरा खड़ा है।
उसने मुझे देख कर सॉरी बोला।

मैं कुछ नहीं बोली और अपना मुंह आगे कर लिया।

कुछ देर बाद बस एक झटके से फिर रुकी और बस में काफी भीड़ आ गयी उसके धक्के से फिर मेरी गांड में कुछ डंडा सा बड़ी जोर से चुभा।
मैं समझ गयी कि यह तो नार्मल है।
भीड़ में ऐसा होता ही है।

बस फिर चलने लगी और मैं सोचने लगी कि कोई डंडा नहीं है बल्कि इस लड़के का लण्ड है जो बार बार मेरी गांड में चुभ रहा है।

तिबारा जब हुआ तो मैं फिर पीछे मुड़ी और मुस्करा पड़ी।
उस लड़के को बड़ी राहत मिली।

मैंने उसकी पैंट पर नज़र डाली तो बात सच थी।
लण्ड उसका खड़ा था यह साफ साफ उसकी पैंट के उभार से मालूम हो रहा था।
तब मुझे उसके लण्ड का चुभना अच्छा लगने लगा।

मैं भी मस्त जवान थी और वह भी! मैं तो कहती हूँ कि और ज्यादा चुभता तो अच्छा होता।

फिर आगे के स्टेशन पर मैं उतर गयी तो वह भी उतर गया।
उसके लण्ड की मेरी गांड में चुभन याद करके मुझे मज़ा आने लगा।

मैं सोचने लगी कि क्या ये लड़का चूत से ज्यादा गांड पसंद करता है।
क्या सच में ये मेरी गांड में लण्ड पेलना चाहता है।

मैं पीछे मुड़ी तो देखा कि वह मेरे पीछे पीछे आ रहा है।

मुझसे फिर रहा न गया।
मैं रुक गयी और पूछा- तुम कौन हो मेरे पीछे पीछे क्यों आ रहे हो?

वह बोला- मैं तो अपने ऑफिस जा रहा हूँ मेम! इसमें आपके पीछे आने का सवाल ही नहीं।

मैंने कहा- तुम ही मेरे पीछे थे न बस में?
उसने कहा- हां मैं ही था। पर मैं क्या करता धक्का पीछे से आ रहा था। मेरी कोई गलती नहीं थी मेम!

मैंने पूछा- कहाँ काम करते हो ?
उसने बताया- एम जी एंड कंपनी में !

मैंने कहा- अरे वाह … वहां तो मैं भी काम करती हूँ।

फिर हम दोनों साथ साथ चल पड़े।

“तुम्हारा नाम क्या है ?” मैंने पूछा।
“अखिल नाम है मेरा !” उसने जवाब दिया।
मैंने कहा- मैं हूँ रेहाना !

हमारे बीच थोड़ी थोड़ी दोस्ती होने लगी।
तब तक हमारा ऑफिस आ गया।

मैंने मुस्कराकर कहा- अच्छा आज शाम को मिलना … बाई बाई !

शाम को वह 5 मिनट पहले ही मेरी सीट पर आ गया।
हम दोनों बस में चढ़ गए.

इस बार हम लोगों को बैठने की जगह मिल गयी।

मैं उसे अपने घर ले आयी।
उसने कहा- मेम, मैं गाँव का रहने वाला हूँ पर यहाँ पटना में मैं अकेले ही रहता हूँ।
मैंने कहा- मैं भी अकेली ही रहती हूँ।

तब मैंने उसे बड़े आदर से बैठाया।
लड़का बातचीत में अच्छा लग रहा था।
देखने में अच्छा था.

मुझे बड़ा सभ्य लगा तो मैं थोड़ा उसकी तरफ खिंचती चली गयी।

मैंने चाय नाश्ता तैयार किया और हम दोनों एक साथ चाय पीने लगे।

मेरे पूछने पर उसने बताया- मैं एक साधारण परिवार से हूँ। मेरे माँ बाप खेती करते हैं। मैं उनकी इकलौती संतान हूँ।
मैंने कहा- मैं भी सिंपल फॅमिली से हूँ। यह बताओ तुम्हारी शादी हो चुकी है या नहीं ?
वह बोला- नहीं, मेरी शादी नहीं हुई। शायद अब हो जाए ?

मैंने पूछा- तुम्हें कैसी लड़की चाहिए।
उसने कहा- अगर तुम्हारी जैसी हो तो बहुत अच्छा ! मैंने जब तुमको बस में देखा था तो कूद करके तेरे पीछे लग गया था।

मैंने कहा- तो क्या सच में तुम जानबूझकर अपना लण्ड मेरी गांड में चुभो रहे थे ?
उसने कहा- अगर तुम बुरा न मानो तो सच में चुभो रहा था। मेरा दिल तुम पर आ गया था। मुझे तुम बहुत सेक्सी और हॉट लग रही थीं।

“तो क्या तुम समझते थे कि तेरा लण्ड बहनचोद वहीं बस में ही मेरी गांड में घुस जाता ?”
“मै जानता था कि नहीं घुसेगा. मगर घुस जाने की फीलिंग तो आ जाएगी. फिर रात में मुठ मारने में ज्यादा मज़ा तो आएगा।”

“तो क्या तुम मुझे याद करके अपने लण्ड का मुठ मारते ?”
“हां बिल्कुल मारता ! आज भी मारूंगा। आज तो ज्यादा मज़ा आएगा मुठ मारने में … क्योंकि तुम मेरे सामने हो।”
“तो फिर आज मैं मुठ मारूंगी तेरे लण्ड का भोसड़ी के अखिल ! तुम भी मुझे बहुत हॉट लग रहे हो।”

मैंने ऐसा कह कर मैंने अपना हाथ उसकी जांघ पर रख दिया और उसकी चुम्मी ले ली क्योंकि मुझे भी लण्ड की जरूरत थी। बहुत दिन हो गए थे किसी पराये पुरुष से चुदवाये हुए!

तब मैंने सोच लिया कि आज मैं मौक़ा खाली नहीं जाने दूँगी।

मैंने अपना हाथ उसके लण्ड तक पहुंचा दिया और उधर उसका हाथ मेरी चूचियों तक पहुँच गया।
हम दोनों एकदम से एक दूसरे से लिपट गए।

उसने मुझे अपनी बाहों में भर लिया और मैंने उसे!
वह मेरे बूब्स ऊपर से ही दबाने लगा और मैं भी उसका लण्ड ऊपर से ही दबाने लगी।

वह बोला- यार रेहाना, तेरे मम्मे बड़े सख्त हैं। मुझे बड़ा मज़ा आ रहा है।
मैंने कहा- यार अखिल, तेरा लण्ड भी बहनचोद बड़ा सख़्त है।

फिर वह चुपचाप एक एक करके मेरे कपड़े खोलने लगा.

मैं कुछ नहीं बोली। मैं सच में उसके हाथ से नंगी होना चाहती थी। मैं चाहती थी कि वह मुझे पूरी नंगी कर दे।

मुझे लड़कों के आगे नंगी होने में मज़ा आता है।
मैं पहले भी लड़कों के आगे नंगी हो चुकी हूँ, उनके साथ न्यूड डांस भी किया है मैंने!

मुझे तभी से लड़कों को नंगा करने का और खुद उनके आगे नंगी होने का मज़ा मिलने लगा है।
लड़के और लड़कियों के जब जवान जिस्म नंगे होते हैं तो उसका मज़ा ही और होता है।

पहले उसने मुझ नंगी कर दिया और मेरे नंगे बदन पर हाथ फेरने लगा, मेरे बूब्स चूमने लगा।
मेरी चिकनी चूत पर हाथ फेरने लगा, मेरी गांड पर भी हाथ फिराने लगा।

तब तक मैंने भी उसे नंगा कर दिया।
उसका टनटनाता हुआ लण्ड मैंने मुट्ठी में ले लिया और कहा- यार क्या मस्त और मोटा तगड़ा है तेरा लण्ड अखिल!

मैंने लण्ड की प्यार से चुम्मी ली, उसका सुपारा चूमा, उसके पेल्हड़ चूमे और मस्ती से हिला हिला कर उसे बड़ी देर तक देखती रही.
फिर मैंने कहा- यही लण्ड तू बार बार मेरी गांड में चुभा रहा था न?
वह हंस कर बोला- हां यही लण्ड चुभा रहा था।

मैंने फिर पूछा- क्या तुझे गांड मारने का शौक है?
वह बोला- नहीं ऐसा नहीं है। अब किसी लड़की को आगे से तो लंड चुभा नहीं सकता … तो पीछे से ही चुभा रहा था.

फिर मैंने उसे अपने सामने खड़ा कर लिया और मैं सोफे पर ही नंगी नंगी बैठी रही।
मुझे अखिल का लौड़ा एक ही नज़र में पसंद आ गया था।

मैंने एक हाथ से पेल्हड़ थाम लिया और दूसरे हाथ से उसका लण्ड मुट्ठी में ले लिया।
मैं लण्ड बड़े प्यार से आगे पीछे करने लगी ऊपर नीचे करने लगी।

वह बोला- अरे यार, क्या तुम मुट्ठ मरोगी?
मैंने कहा हां मैं मुट्ठ मारूंगी। मैंने कहा था न कि आज मैं तेरे लण्ड का मुट्ठ मारूंगी. तो मार रही हूँ। मुझे लण्ड का मुट्ठ मारना बड़ा अच्छा लगता है। मुझे रोको नहीं! इसके

पहले कि तुम मुझे चोदो … मैं तेरा लण्ड पीकर देखना चाहती हूँ कि तेरा लण्ड कितना स्वादिष्ट है। तेरे लण्ड का मक्खन कैसा है. आज मैं तेरे लण्ड का मक्खन ब्रेड में लगा कर खाऊँगी।

वह और उत्तेजित हो गया, उसका लण्ड और कड़क हो गया तो मुझे मुट्ठ मारने में बड़ी आसानी हो गयी।

उसका सुपारा बार बार खुल रहा था और हल्का सा बंद भी हो रहा था तो बड़ा अच्छा रहा था।
मेरे मुंह से निकला- मादरचोद लण्ड, माँ का लौड़ा लण्ड, बहन की बुर लण्ड, तू ही भोसड़ी का सबकी चूत में आग लगाता है ? तेरी तो आज मैं माँ चोद दूँगी।

अखिल सिसियाने लगा, बोला- हाय रेहाना तू बड़ी गज़ब की चीज है यार ! जो तुझे सबसे ज्यादा अच्छा लगता है, उसी को तू गाली दे रही है।
वह बोली- अरे यार, जो मुझे प्यारा होता है, मैं उसी को गाली देती हूँ। अभी मैं इसे गाली दे रही हूँ. अभी थोड़ी देर में इसे अपनी चूत भी दूँगी। तू चिंता न कर भोसड़ी वाले अखिल !

इतने में लण्ड ने उगल दिया सारा मक्खन मेरी ब्रेड पर और मैंने लण्ड की एक एक बूँद निचोड़ ली अपनी ब्रेड पर और खा गयी पूरी ब्रेड !

अखिल देखता ही रह गया।

मैंने कहा- मैं इसी का नाश्ता करती हूँ. और सुन … तेरा लण्ड बड़ा स्वादिश्त है मादरचोद। अब ये मेरी चूत में घुसने के काबिल है।

वह लेट गया तो मैं भी नंगी नंगी लेट गई उसके साथ उसके बदन पर टांग रख कर !
थोड़ी देर में उसकी झपकी लग गयी और मेरी भी !

जब मेरी नींद टूटी तो मैंने देखा कि लण्ड चारों खाने चित लेटा हुआ है।
उस समय लण्ड बड़ा प्यारा लग रहा था।

मैंने उसकी चुप्पे से चुम्मी ले ली, पेल्हड़ भी प्यार से चूम लिया।
मेरे मन में लण्ड के लिए ढेर सारा प्यार उमड़ पड़ा।

मैं लण्ड को बड़े प्यार मोहब्बत से देखती रही और फिर बिना हाथ लगाए अपनी जबान से ही लण्ड उठा लिया।
जबान से उठा कर अपने मुंह में ले लिया लण्ड!

जैसे ही मैंने लण्ड चूसना शुरू किया, वैसे ही वह जग गया और मुझे अपने गले लगा लिया।
मेरा बदन चूमने लगा और मुझे चिपका कर मेरे जिस्म का एक एक पोर चूमने चाटने लगा।

वह बड़े जोश में था और उसका लण्ड भी ताव पर आ गया था, तन कर पूरी तरह खड़ा हो गया था।
उस समय लण्ड बिल्कुल तोप जैसा लग रहा था और उसका सुपारा बिल्कुल तोप का गोला!

अखिल बहुत उत्तेजित था।
उसने लण्ड चूत पर रगड़ा और फिर गच्च से पेल दिया अंदर!
लण्ड साला पूरा का पूरा अंदर तक घुस गया जैसे कोई सांप अपने बिल में घुसता है।

मुझे भी हैरानी हुई कि मेरी चूत ने इतना लंबा लण्ड एक ही बार में कैसे निगल लिया पूरा!

अखिल फिर मुझे मजे से चोदने लगा। अखिल वह करने लगा जिसका मुझे इंतज़ार था और उसे भी!

उसका चोदना मुझे बड़ा अच्छा लग रहा था।
मैं तो सातवें आसमान पर पहुँच गयी।
मुझे तो कोई चोदने वाला चाहिए ही था।

वह धकापेल मुझे चोदने में जुट गया।
धच्च धच्च … फच्च फच्च … गच्च गच्च की आवाज़ें आने लगी।

चुदाई की महक से सारा घर महकने लगा।
मैं भी ‘ऊऊ फफ हूऊऊ हां हन्न आह: … उई ईई मर गयी मैं … फट गयी मेरी चूत … बाप रे तेरा लौड़ा बड़ा मोटा है यार … फाड़ डालेगा मेरी चूत बहनचोद !’ यही सब ऊल जलूल बोलने लगी।

मैं तो इस जवानी में लण्ड के इंतज़ार में रही ही थी।
लण्ड अंदर तक चोट करने लगा।

मैंने कहा- वाओ क्या मस्त लौड़ा है तेरा यार ! मुझे चुदाने में बड़ा मज़ा आ रहा है। मुझे अपनी बीवी समझ कर चोदो। फाड़ डालो मेरी बुर ! देख मेरी चूत तेरा लण्ड कितनी मस्ती से गपागप खा रही है, निगल रही है तेरा समूचा लण्ड !

वह धक्के पे धक्का मारने लगा और मैं हर धक्के का जबाब धक्के से देने लगी।
मुझे नहीं मालूम कि मुझे चुदवाने का इतना ज्ञान कहाँ से आ गया ?
मैं खुद हैरान थी … मैं कमर हिला हिला कर पूरा लण्ड पेलवाने लगी।
एक चुदी हुई औरत की तरह मैं चूत चुदवाने लगी।

मेरी खुशी का ठिकाना न था।
मैं पोर्नर गर्ल Xxx चुदाई में बुरी तरह डूब चुकी थी।

मुझे लण्ड पर बड़ा प्यार आने लगा था। मुझे लगा कि एक नहीं, कई लण्ड मेरी चूत में घुस जाएँ तो अच्छा है.

वह भी माँ का लौड़ा चुदाई की रफ़्तार बढ़ाता ही जा रहा था.
और आखिरकार चूत का पानी भल्ल से बाहर निकल ही आया।

मैं खलास हो गयी और उसके बाद लण्ड ने भी पिचकारी छोड़ दी।

आधे घंटे के बाद उसका लण्ड साला फिर खड़ा हो गया।
इधर मेरी गांड भी परपराने लगी।
साथ ही साथ चूत भी ससुरी मचल उठी।

फिर क्या … मैंने उसे अपने नंगे बदन से चिपका लिया।
मैं बेड पर नंगी नंगी गुलाटी मारने लगी।
कभी मैं ऊपर कभी वो ऊपर!

फिर मैं उसका लण्ड चाटने लगी और वह मेरी गांड!

इस बार उसने मेरी गांड पर फोकस किया।
मुझे अपनी गांड चटवाने में मज़ा आने लगा।

कुछ देर बाद उसने मुझे घोड़ी बना दिया और मेरी गांड में उंगली करने लगा।
मैं समझ गयी कि अब ये भोसड़ी वाला मेरी गांड में पेलेगा।
मेरा आईडिया सही निकला।

उसने लण्ड मेरी गांड में पहले तो खूब रगड़ा फिर गच्च से पेल दिया अंदर!

मैं चिल्ला पड़ी लेकिन उसने कोई परवाह नहीं की।

वह मेरी गांड मारने लगा।

मैंने कहा- ये क्या कर रहे हो अखिल ?
वह बोला- मैं बस में खड़े खड़े सबके सामने तेरी गांड मार रहा हूँ !

और वह यही सोचते हुए मेरी गांड बड़ी देर तक मारता रहा।

पोर्नर गर्ल Xxx चुदाई कहानी पर आप अपनी राय मुझे भेजें.
reahana1008@gmail.com

लेखिका की पिछली कहानी थी : बेटी को लंड का मजा दिलवाया

Other stories you may be interested in

गांव के लड़के ने मेरी बुर की सील तोड़ी

हॉट सेक्स विद वर्जिन गर्ल कहानी में मैं अपने पड़ोसी लड़के के साथ स्कूल जाती थी. एक दिन हमने सर को मैडम की चूत चुदाई करते देखा. वह लड़का मुझे नदी किनारे ले गया. यह कहानी सुनें. दोस्तो, मैं डिम्पल […]
Full Story >>>

बीवी की सहेली को चुदाई की लत लग गयी

नंगी साली Xxx कहानी में मेरी बीवी की मदद से मैंने उसकी सहेली को चोदा. यह नजारा मेरी बड़ी साली ने देख लिया. मैंने अपनी बीवी से साली की चूत दिलवाने की बात की तो … नमस्कार मेरे प्यारे पाठक […]
Full Story >>>

दोस्त की मौसी की लड़की की चुदाई- 2

हॉट गर्ल फर्स्ट सेक्स कहानी में अपने दोस्त की शादी में उसकी मौसी की बेटी से मेरी आँखें लड़ गईं. बाद में जब पता चला कि हमारी माएँ हमारा रिश्ता कर चुकी हैं तो हमने क्या गुल खिलाये ! अन्तर्वासना के […]
Full Story >>>

मॉडलिंग के नाम पर मेरे साथ धोखा- 3

बिकिनी Xxx मॉडल फक स्टोरी में मैं एक फार्महाउस अपने साथी मॉडल का लंड चूस चुकी थी. अब वे लोग मुझे बेडरूम में फोटोशूट के लिए ले जा रहे थे. वहां क्या क्या हुआ ? कहानी के दूसरे भाग फोटोशूट में […]
Full Story >>>

मॉडलिंग के नाम पर मेरे साथ धोखा- 2

हॉट मॉडल सेक्स कहानी में मुझे मॉडल बनना था तो मुझे एक कॉन्ट्रैक्ट मिला जिसमें किसी क्लोदिंग कम्पनी के लिए शूटिंग होनी थी. मुझे बताया गया था कि बिकनी भी पहननी होगी. कहानी के पहले भाग सेक्सी लड़की को चढ़ा […]
Full Story >>>